

डॉ. वेंडी एल. विडर, डैनियल, सत्र 11, डैनियल 8, ईश्वर का बुराई पर लगाम

© 2024 वेंडी विडर और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. वेंडी विडर हैं जो डैनियल की पुस्तक पर अपनी शिक्षा दे रही हैं। यह सत्र 11, डैनियल 8, ईश्वर का बुराई पर लगाम है।

हम इस व्याख्यान के लिए डैनियल अध्याय 8 में हैं, और मैंने इस व्याख्यान का शीर्षक ईश्वर का बुराई पर लगाम रखा है।

मेरी राय में, यह पता चलता है कि दानिय्येल के लिए इस दर्शन में जो कुछ पेश किया गया है, उसका प्राथमिक आराम यह है कि परमेश्वर ने बुराई को नियंत्रण में रखा है। जब हम दानिय्येल 8 पर पहुँचते हैं, तो हम हिब्रू भाषा में लौट रहे हैं। तो, शायद अब तक आपको याद होगा कि पुस्तक हिब्रू में शुरू हुई थी। अध्याय एक हिब्रू में था, और फिर जब हम अध्याय दो से सात तक पहुँचे, तो हम अरामी में चले गए।

यह अरामी भाषा में था कि हमारे पास वह चिआस्टिक संरचना थी जो पुस्तक के मुख्य विषयों को प्रदान करती है और वास्तव में कुछ प्रोत्साहन और विषय जो हमें पुस्तक के बाकी हिस्सों में ले जाएंगे, जो कि सर्वनाशकारी अध्याय हैं जिसमें दानिय्येल चार दर्शन देखता है। इसलिए, जब हम दानिय्येल 8 पर पहुँचते हैं, तो हम वापस हिब्रू में चले जाते हैं। इस अध्याय में एक और बदलाव होता है, हालाँकि यह तब तक ध्यान देने योग्य नहीं है जब तक कि आप इसे नहीं ढूँढ़ते, यह है कि अध्याय दो से सात सभी बेबीलोन या मेदो-फारस में घटित होते हैं।

वे निर्वासन में स्थापित हैं। अध्याय आठ से बारह में, जबकि दानिय्येल स्वयं अभी भी निर्वासन में उस स्थान पर रह रहा है, उसे दर्शन होते हैं जो उसके लोगों को चिंतित करते हैं जब वे भूमि पर लौटते हैं। इसलिए कई मायनों में आप इन अध्यायों को इस्राएल की पुनर्स्थापित भूमि में वापस सेट किए गए के रूप में सोच सकते हैं, भले ही दानिय्येल स्वयं, जैसा कि वह उन्हें देखता है, अभी भी बेबीलोन में है।

तो, यह एक महत्वपूर्ण बदलाव है। दानिय्येल के पास जो चार दर्शन हैं, उन सभी का ध्यान, इसलिए उसके पास चार दर्शन हैं, अध्याय आठ एक है, अध्याय नौ, अध्याय दस से बारह, और अध्याय सात में उसे एक दर्शन हुआ। तो, इस खंड में ही तीन दर्शन हैं।

ओह, हाँ, चलो इसे ठीक करते हैं। उसके पास तीन दर्शन हैं, लेकिन उसके पास कुल चार दर्शन हैं, और वे सभी भूमि में जीवन से संबंधित हैं, हालाँकि अध्याय सात प्रकृति में बहुत अधिक ब्रह्मांडीय है। तो, वह बेबीलोन, फारस में सेट है, और उसने भूमि में चीजें घटित होते हुए देखी हैं।

इन दर्शनों में, दानिय्येल का दायरा वास्तव में उत्तरोत्तर संकीर्ण होने जा रहा है। इसलिए, अध्याय सात में, हमने पवित्र लोगों के इस उत्पीड़न के बारे में थोड़ा सुना, और हमने सुना कि यह कितने

समय तक चलेगा, एक समय, कई बार और आधे समय तक, जिस पर हम बाद में वापस आएं, और यह फिर से प्रकट होता है। और इस छोटे सींग वाले व्यक्ति द्वारा उत्पीड़न किया गया था।

अध्याय आठ, नौ, और दस से बारह तक उसी विषय पर लौटेंगे लेकिन अधिक विवरण और अधिक फोकस के साथ। तो, आप इन दर्शनों के बारे में लगभग इस विशेष विषय पर विचार करने के रूप में सोच सकते हैं, जो वास्तव में मंदिर, पुनर्स्थापित, पुनर्समर्पित, या पुनर्स्थापित मंदिर, दूसरा मंदिर होने जा रहा है। और सबसे विशेष रूप से, यह उस समय की अवधि से संबंधित होने जा रहा है जिसमें एंटीओकस IV, हम एक मिनट में यहां वापस आने वाले हैं, जिसे उसने मंदिर को अपवित्र कर दिया था, इसे उजाड़ने का घृणित कार्य कहा जाता है।

इसलिए यह वह प्रमुख घटना है जिस पर ये सभी दृष्टिकोण केंद्रित हैं। अब, यह उनका निकटतम ऐतिहासिक संदर्भ है, लेकिन मुझे लगता है कि कई तरीकों से, आप देख सकते हैं कि वे और भी आगे बढ़ रहे हैं। तो, आपके पास कई चीजें हैं जिन पर यह लागू हो सकता है।

लेकिन दानिय्येल ने जो देखा, उसका सबसे निकटतम, सबसे तात्कालिक संदर्भ ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी में एंटीओचियन उत्पीड़न और मंदिर का अपवित्रीकरण है। यह एक व्यापक अवलोकन है। इससे पहले कि हम इस दर्शन के विवरण में उतरें, मैं एक त्वरित समीक्षा करना चाहता हूँ, शायद इतनी त्वरित समीक्षा नहीं, उस समय अवधि की जिसे यह दर्शन आगे देख रहा है और जिस संदर्भ में इसे सेट किया गया है।

तो, एक त्वरित समीक्षा। हमने उत्पत्ति से शुरुआत की, बोर्ड के दूसरी तरफ बहुत पीछे। हम 922 में राज्य के विभाजन तक पहुँच गए, उत्तरी राज्य 722 में असीरिया के हाथों में चला गया।

दक्षिणी राज्य 587 तक लटका रहा, जब यह बेबीलोन के हाथों गिर गया। और फिर हम निर्वासन के इस दौर में हैं। यही डैनियल की पुस्तक की पृष्ठभूमि है।

दानिय्येल बेबीलोन में निर्वासित है। 539 में, फारसियों के राजा साइरस ने एक आदेश जारी किया कि बंदी लोगों के समूह, न केवल यहूदी, बल्कि बंदी लोगों के समूह अपने वतन लौट सकते हैं। उन्हें अपने पूजा स्थलों के पुनर्निर्माण के लिए कुछ धन भी मिल सकता है।

इसलिए, बहुत से यहूदी वापस लौटते हैं। यह एज्रा और नहेम्याह में दर्ज है। वे मंदिर का पुनर्निर्माण करते हैं और 515 ईसा पूर्व में इसे समर्पित करते हैं। यह दूसरे मंदिर की अवधि शुरू करता है, जब दूसरा मंदिर बनाया जाता है, बनाया जाता है और समर्पित किया जाता है।

दूसरा मंदिर काल तब तक जारी रहेगा जब तक कि दूसरा मंदिर खड़ा है और 70 ई. तक जब इसे रोमनों द्वारा नष्ट कर दिया जाता है। तो, समय की यह पूरी अवधि, दूसरा मंदिर काल। दूसरे मंदिर काल में होने वाली कुछ अन्य चीजें और अन्य तरीके जिन्हें हम थोड़ा छोटा करके विभाजित कर सकते हैं।

मालाची की पुस्तक के लिए मेरा अनुमान 420 है। इसकी तिथि निर्धारित करना कठिन है। इस बारे में मतभेद हैं, लेकिन यह लगभग 420 के आसपास है।

तो, यह पुराने नियम के कैनन का समापन या अंत है। यह उस समय अवधि का अंत है जिसे यह याद कर रहा है। मलाकी 420.

नए नियम की घटनाएँ कब शुरू हुईं? खैर, यीशु के जन्म के साथ और सुसमाचारों में इसे पहली सदी के अंत में लिखा गया। इसलिए, हमारे पास पुराने नियम के अंत से लेकर नए नियम की शुरुआत तक का यह अंतर-नियम काल है। साथ ही, इस समय के भीतर हमारे पास विश्व साम्राज्यों का मार्च भी है।

तो यहाँ बेबीलोन था, और उससे पहले असीरिया था। फ़ारसी विश्व साम्राज्य 539 में शुरू होता है। यह 332 ईसा पूर्व में सिकंदर महान के उदय तक जारी रहता है।

फिर, हम ग्रीक काल में जाते हैं, जिसे आम तौर पर हेलेनिस्टिक काल के रूप में जाना जाता है। यह 63 ईसा पूर्व तक जारी रहा, जब रोमन शीर्ष पर पहुंच गए। फिर हमारे पास रोमन युग है, जो रोम के पतन तक चलता है।

तो, यह विश्व साम्राज्यों के संदर्भ में है ताकि आपको यह पता चल सके कि हम कहाँ हैं। अब, इस हेलेनिस्टिक काल में, सिकंदर महान शीर्ष पर पहुँचने के कुछ समय बाद ही मर जाता है। वह मर जाता है, और उसका कोई व्यवहार्य उत्तराधिकारी नहीं होता।

इसलिए, उसका विशाल साम्राज्य कम से कम उसके चार सेनापतियों के बीच विभाजित है। हम केवल दो लोगों के बारे में चिंतित हैं, सेल्यूकस और टॉलेमी। सेल्यूकस के पास सीरिया का नियंत्रण था।

ओह, तुम्हें मेरा नक्शा पसंद है, मुझे पता है। वहाँ भूमध्य सागर है, नील नदी है। फिलिस्तीन की अतिशय भूमि है।

सीरिया उत्तर में है। मिस्र दक्षिण में है। यह सेल्यूसिड्स है।

यह टॉलेमीज़ है। और इसलिए, लगभग 332 से 140 ईसा पूर्व की इस पूरी अवधि के दौरान हमारे पास फिलिस्तीन की भूमि पर सेल्यूसिड्स और टॉलेमीज़ के बीच रसाकशी होगी। तो, इज़राइल इन साम्राज्यों के बीच में फंस गया है।

तो यह फ़िलिस्तीन में सेल्यूसिड टॉलेमी का शासन है। अब हम और भी अधिक विशिष्ट जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। डैनियल के दर्शन के संबंध में हम जिस समयावधि की सबसे अधिक परवाह करते हैं, वह एंटीओकस IV एपिफेन्स नामक एक विशेष सेल्यूसिड शासक है। मुझे लगता है कि वह 170 के दशक में सत्ता में आये थे।

लेकिन वह 167 ईसा पूर्व में जो हुआ उसके लिए सबसे प्रसिद्ध है जब उसने अपने सैनिकों को यरूशलेम मंदिर को अपवित्र करने और यरूशलेम में यहूदियों पर कहर बरपाने के लिए

अधिकृत किया था। यह 167 में है। तीन साल बाद, हमारे पास एक परिवार के एक समूह और उनके अनुयायियों द्वारा एक सफल विद्रोह था, मैकाबीन विद्रोह, हस्मोनियन परिवार।

164 में, उन्होंने मंदिर को पुनः प्राप्त किया, और इसे फिर से समर्पित किया, जश्न मनाया या शुरू किया जो अब हनुक्का उत्सव का पर्व है। और लगभग दो दशक बाद वास्तव में हमारे पास इस छोटी सी अवधि के लिए हस्मोनियन राजवंश के तहत फिर से इज़राइल में एक स्वतंत्र राज्य है। वे एक स्वतंत्र राज्य हैं जिन पर हस्मोनियों का शासन है।

63 उसका अंत करता है। रोम पर कब्ज़ा हो जाता है, और फिर हम नए नियम में चले जाते हैं। तो, यह आपका व्यापक दृष्टिकोण है।

मैं इसे बोर्ड पर छोड़ना याद रखने की कोशिश करूंगा ताकि मुझे इसे दोबारा न बनाना पड़े। जब हम डैनियल की पुस्तक के इन अंतिम अध्यायों को पढ़ेंगे तो हम कई बार इसका उल्लेख करेंगे। इसलिए, मैं इस विज्ञान को उसी तरह से देखना चाहता हूँ जैसे मैंने अध्याय 7 में विज्ञान के साथ किया था। इसलिए, मैं इसे कुछ अन्य टिप्पणीकारों और विद्वानों की तुलना में कुछ अलग तरीकों से व्यवस्थित करता हूँ।

मैंने इसे एक ऐसे संगठन पर आधारित किया है जो प्रकाशितवाक्य की पुस्तक से लिया गया था और कुछ प्रमुख भाषा जिसका उपयोग दर्शनों को शुरू करने और उन्हें अलग-अलग दर्शनों और दर्शनों के ब्लॉकों में समूहित करने के लिए किया जाता है। इसलिए, अध्याय 8 में, मैं तीन दर्शन ब्लॉक देखता हूँ। तो ये प्रमुख समूह हैं।

इन प्रमुख समूहों में कई छोटे या व्यक्तिगत दर्शन हैं। पहला श्लोक 1 से 4 है। दूसरा श्लोक 8 से 9 है। तीसरा श्लोक 5 से 14 है। तीसरा श्लोक 15 से 27 है।

तो, ये तीन दृष्टि खंड हैं जिन पर हम इस दृष्टि से गुजरते समय विचार करेंगे। ठीक है, तो चलिए पहले दृष्टि खंड पर आते हैं। यह श्लोक 1 से 4 है। और मैं इस दृष्टि खंड को दो सींग वाले मेढ़े का दर्शन कहता हूँ।

राजा बेलशस्सर के राज्य के तीसरे वर्ष में, हे दानियेल, मुझे एक दर्शन दिखाई दिया, जो पहले दर्शन के बाद था। और मैंने दर्शन में देखा, और जब मैंने देखा, तो मैं एलाम प्रांत में शूशन नामक गढ़ में था। और मैंने दर्शन में देखा कि मैं ऊलाई नहर के पास था।

मैंने आँखें उठाकर देखा, तो नहर के किनारे एक मेढ़ा खड़ा था। उसके दो सींग थे, और दोनों सींग ऊँचे थे, लेकिन एक सींग दूसरे से ऊँचा था। और सबसे ऊँचा सींग सबसे आखिर में निकला।

मैंने देखा कि मेढ़ा पश्चिम, उत्तर और दक्षिण की ओर दौड़ रहा था। कोई भी जानवर उसके सामने खड़ा नहीं हो सकता था, और कोई भी ऐसा नहीं था जो उसकी शक्ति से बच सके। उसने जो चाहा वह किया और महान बन गया।

यह पहला खंड है। और हम यहाँ दानियेल द्वारा देखे गए चार अलग-अलग दर्शनों के बारे में बात करने जा रहे हैं। पहला, वास्तव में, पहले दो समय और स्थान से संबंधित हैं, जिसे हम दर्शन का स्पेस-टाइम संदर्भ कहते हैं।

यह वास्तव में दृष्टि का हिस्सा नहीं है, लेकिन यह इसके लिए संदर्भ निर्धारित करता है। तो, अंतरिक्ष-समय संदर्भकर्ता खुद को सुसा में देखेगा, और वह खुद को उलाई के साथ देखेगा। नहर के किनारे।

तीसरी बात जो वह रिपोर्ट करता है वह है मेढ़े का दिखना, दो सींग वाला मेढ़ा। और अगली बात जो वह रिपोर्ट करता है वह है उस मेढ़े की गतिविधि। यह श्लोक 3 है, और यह श्लोक 4 है। ओह, एक और है, माफ़ करें।

नहीं, ऐसा नहीं है। ठीक है, तो इस दर्शन के लिए अंतरिक्ष-समय संदर्भ के संदर्भ में, हमें बताया गया है कि यह बेलशस्सर के तीसरे वर्ष में हो रहा है। डैनियल 7 बेलशस्सर के पहले वर्ष में सेट किया गया था।

इसलिए, हम उस दृष्टिकोण का लगातार अनुसरण कर रहे हैं, लेकिन हम अभी भी इस बड़े बाधित कालक्रम में हैं। तो, हम कथा अध्याय कालक्रम में वापस आ गए हैं, जो हमें यहोयाकिम के तीसरे वर्ष से लेकर, नबूकदनेस्सर के शासनकाल के आरंभ में, साइरस के पहले वर्ष तक ले गया। तो, हम बेलशस्सर राजा के पहले और तीसरे वर्ष के दौरान वहाँ वापस आ गए हैं।

यदि यह बेलशस्सर के तीसरे वर्ष का शाब्दिक संदर्भ है, न कि केवल कुछ ऐसा जिसका अर्थ उसके नियंत्रण लेने के कुछ समय बाद या उसके शासनकाल की शुरुआत के कुछ समय बाद नहीं है, तो यह 550 ईसा पूर्व होगा, और यह उस समय के बारे में है जब साइरस ने स्थापित किया था मेदो-फ़ारसी, मीडिया से स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद संयुक्त मेदो-फ़ारसी साम्राज्य। वहाँ एक पूरा इतिहास है जिसे हम केवल समय की खातिर और यहाँ इसे सरल बनाए रखने के लिए दरकिनार कर देंगे। लेकिन घटनाओं की वह श्रृंखला अंततः बेबीलोन के अंत की ओर ले गई, जो इस्राएल के लिए निर्वासन के अंत की शुरुआत थी।

इसलिए, डैनियल जो देखता है उसके संदर्भ में यह महत्वपूर्ण है। जैसा कि मैंने अध्याय 7 में कहा था, मुझे लगता है कि इस तिथि सूत्र का एक प्रभाव, बेलशस्सर के शासनकाल में यह सेटिंग, यह है कि यह हमारे दिमाग में उस राजा को वापस लाता है जो इतना विरोधी और इतना अहंकारी और ईश्वर के प्रति अवज्ञाकारी था। और इसलिए, हम उस शासनकाल के दौरान स्थापित हैं, और हम जानते हैं कि बेलशस्सर के साथ क्या हुआ था, और यह अशुभ और पूर्वसूचक था, और बेलशस्सर, मुझे लगता है, इस निंदनीय, अहंकारी राजा के लिए एक प्रोटोटाइप के रूप में कार्य करता है जो निडरता से अपनी मुट्टी उठाने जा रहा है इसराइल के भगवान।

वह इसमें प्रथम था, और अब हम उसके बाद और भी बदतर राजा देखने जा रहे हैं। डैनियल के पहले बयान में यह दिलचस्प टिप्पणी भी है कि यह उस दर्शन के बाद है जो मैंने पहले देखा था, या उसके बाद जो मैंने पहले ही देखा था। इसलिए, वह इस दृष्टिकोण को अध्याय 7 में दिए गए

दृष्टिकोण से जोड़ रहा है, जिसे अधिकांश विद्वान एक संकेत के रूप में लेते हैं कि हमें इन चीजों को एक साथ पढ़ना चाहिए।

वे आपस में जुड़े हुए हैं। दानियेल खुद उन्हें बताता है। तो जब उसे यह दर्शन हुआ तो वह कहाँ था? सबसे पहले, वह खुद को सुसा में देखता है, जो कि गढ़ या किला है, जो एलाम प्रांत में है।

और फिर वह हमें बताता है कि वह नहर के पास है, और फिर वह इस मेढ़े को देखता है, और आपको लगभग यह विचार आता है कि यह वीडियो कैमरा है जो सुसा, एलाम को पैन कर रहा है, ठीक है? अब हम नदी के किनारे पर हैं, और यह पैन करके डैनियल की जगह पर पहुँच जाता है। सुसा, उस समय, बहुत महत्वपूर्ण स्थान नहीं था जब डैनियल को यह दर्शन हुआ था। इसलिए, यह अपेक्षाकृत महत्वहीन है।

ईसा पूर्व 7वीं शताब्दी के मध्य में अशरबनिपाल ने इस पर कब्जा कर लिया था और डैनियल के समय तक यह अपेक्षाकृत महत्वहीन रहा। अंततः, यह फ़ारसी साम्राज्य में एक बहुत ही महत्वपूर्ण शहर बनने जा रहा है। ऐतिहासिक रूप से दर्ज पहला डेरियस, डेरियस प्रथम, 521 में, सुसा को अपने किले शहर के रूप में पुनर्निर्माण करने जा रहा है, और यह उसकी प्रशासनिक राजधानी के रूप में भी कार्य करने जा रहा है।

तो, अंततः यह बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। जिस समय डैनियल को यह स्वप्न आया, वह बहुत महत्वपूर्ण नहीं था। यह दर्शन के लिए एक सार्थक स्थान है क्योंकि डैनियल सुसा में एक मेढ़ा देखता है जो प्रतिनिधित्व करता है, स्वर्गदूत हमें बाद में बताएगा, मेडो-फ़ारसी साम्राज्य।

वास्तव में इस दृष्टि में बेबीलोन से कोई सरोकार नहीं है। बेबीलोन तो इसका हिस्सा ही नहीं है। हालाँकि जब दानियेल को दर्शन मिल रहा था, तब वह बेबीलोन में था, है न? वह बेलशेज़र के शासनकाल के दौरान है, लेकिन उसकी दृष्टि में बेबीलोन का कोई प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व नहीं है, जो उचित है क्योंकि, जब तक ये घटनाएँ वास्तव में घटित होती हैं, तब तक बेबीलोन नहीं रह जाता।

इसे चुनौती दी जायेगी और पराजित किया जायेगा। क्या डैनियल इस दर्शन के दौरान जाग रहा है? जब हम इन दूरदर्शी अनुभवों के बारे में पढ़ते हैं तो हमारे मन में हमेशा यही सवाल रहता है। क्या भविष्यवक्ता और द्रष्टा भौतिक रूप से इस स्थान पर थे? क्या वे किसी प्रकार की समाधि में थे? क्या चल रहा है? वास्तव में ऐसा लगता है जैसे डैनियल स्थान पर है, भले ही वह सामान्य रूप से बेबीलोन में होता है, है ना? यह बेलशेज़र का तीसरा वर्ष है।

वह यहीं रहा होगा। लेकिन किसी कारण से, क्या वह व्यवसाय के लिए गया था? मुझे नहीं पता। क्या आत्मा ने उसे बालों से पकड़ कर उठाया जैसे उसने यहजेकेल के साथ किया था और उसे सुसा ले गई? हमें नहीं पता, लेकिन हमें लगता है कि वह वास्तव में वहाँ है, शायद।

मुझे नहीं पता। हो सकता है कि वह वहाँ रहा हो। हो सकता है कि वह किसी सम्मोहन में रहा हो।

वह किसी तरह की चेतना की स्थिति में हो सकता था, जिसे मैं समझाने की कोशिश नहीं करना चाहता। लेकिन दृष्टि के उद्देश्यों के लिए, हमें सुसा के बारे में सोचना चाहिए। वह वहीं है।

तो, वह अपनी आँखें उठाता है, जो शुरू करने का एक बहुत ही सामान्य तरीका है, कुछ ऐसा जो आप एक दृष्टि में देख रहे हैं। मैंने देखा, और हेनेई। हेनेई एक ऐसा शब्द है जो आपको अच्छे पुराने किंग जेम्स में मिलेगा, जिसका अनुवाद लगभग हमेशा निहारना या लो के रूप में किया जाता है।

यह एक महान हिब्रू शब्द है जिसे लोगों के समझ में आने वाले तरीके से प्रस्तुत करना वास्तव में कठिन हो सकता है। मुझे लगता है कि इस दृष्टि से अधिकांश का मतलब यह है कि यह एक प्रकार का आश्चर्य व्यक्त कर रहा है। जैसे, वाह, क्या? वह क्या है? बाद में दृष्टि में एक जगह है जहां इसका मतलब कुछ अलग होगा।

लेकिन डैनियल ने जिस तरह से इसे व्यक्त किया, ओह, यह वह नहीं है जिसकी मुझे उम्मीद थी। तो, ऐसा क्या है जिसे वह देखने की उम्मीद नहीं करता है? एक मेढ़ा. गढ़ के जलमार्ग के किनारे यह अकेला, अकेला मेढ़ा।

और इस मेढ़े के दो सींग हैं, और वह कहता है कि एक दूसरे से अधिक लम्बा है। अब याद रखें, सींग शक्ति के प्रतीक हैं, और वे हो भी सकते हैं, और मेढ़ों का उपयोग अक्सर पुराने नियम में नेताओं या शासकों के प्रतीक के रूप में किया जाता है। तो यहां हमारे पास दो लंबे सींगों वाला यह शासक का चित्र है।

एक दूसरे से अधिक लंबा है. ऐसा लगता है जैसे उनमें से एक दूसरे की तुलना में बाद में सामने आता है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि वह थोड़ा आश्चर्यचकित है।

यह अजीब चीज़ है. तो वह वही देखता है। मेढ़ा प्रकट होता है, और फिर वह अगले व्यक्तिगत दर्शन में वर्णन करता है कि यह मेढ़ा क्या करता है।

तो, वह इस राम चार्ज को देखता है। शायद यह सिर्फ नहीं है, आप जानते हैं, वह भाग रहा है। वह संभवतः वास्तव में अन्य जानवरों पर हमला कर रहा है और उन्हें घायल कर रहा है।

वह पश्चिम, उत्तर, दक्षिण की ओर जाता है, पूर्व का उल्लेख नहीं करता है, और वह इन चुनौती देने वालों पर दौड़ता है, उन्हें घायल कर देता है। वे चुनौती देने वाले कौन थे, इसके बारे में हमें कोई विवरण नहीं मिलता है। किसी अन्य जानवर का वर्णन नहीं किया गया है।

दृष्टि में यह चिंता का विषय नहीं है. लेकिन यह दिलचस्प है. जाहिर तौर पर उस पर बहुत हमले हुए हैं.

इसमें कहा गया है कि बचाने वाला कोई नहीं है। तो, मुझे आश्चर्य है, क्या डैनियल ने जानवरों को बचाने की कोशिश करते देखा और वे असफल रहे? वह जो वर्णन करता है उसमें बहुत सारी

कमियाँ छोड़ देता है। उन्होंने राम की इस गतिविधि का सारांश यह कहकर दिया कि उसने जैसा चाहा वैसा किया और महान बन गया।

अन्य अनुवाद कहेंगे कि उसने वही किया जो वह चाहता था और खुद को बड़ा किया। डैनियल के बाकी दर्शनों में हम उस भाषा को बार-बार सुनेंगे। तो यह एक कीवर्ड, एक वाक्यांश है जो सामने आता रहेगा।

हम इस कथन की पुनरावृत्ति भी सुनेंगे कि कोई जीव-जंतु इसके सामने टिक नहीं सकता। इसका कोई चुनौती देने वाला नहीं था। और हम बार-बार सुनेंगे कि कोई भी ऐसा नहीं था जो उसके हाथों से उद्धार कर सके।

तो, जब हम आगे बढ़ें तो उन चीजों को सुनें। वे पैटर्न, शक्ति के पैटर्न और संघर्ष के पैटर्न स्थापित कर रहे हैं जो कि जैसे-जैसे दृष्टि आगे बढ़ती है और अधिक से अधिक महान होती जाती है। तो यह पहला विज्ञान ब्लॉक है, सबसे छोटा।

दूसरा विज्ञान ब्लॉक बकरी है। इसे कहते हैं, मेरा मतलब है कि यह एक बकरी है, यह एक नर बकरा है, अलग-अलग अनुवाद। उनमें से कुछ इसे बिली बकरी कहते हैं, उनमें से कुछ इसे झबरा बकरी कहते हैं, उनमें से कुछ इसे नर बकरी कहते हैं।

आप अपनी पसंद चुनें। मैं इसे मजे के लिए झबरा बकरी कहूंगा। यह उनकी दृष्टि है, दृष्टि अवरोध झबरा बकरी या बकरियों की बकरी से संबंधित है, वास्तव में यह वही है जो यह कहता है।

और इसमें, उनके कई अलग-अलग व्यक्तिगत दर्शन हैं। सही नोट यहाँ हैं। उनके तीन अलग-अलग दर्शन हैं।

पहले श्लोक 5 और 6 में, वह बकरी को प्रकट होते हुए देखता है। श्लोक 7 से 12 में, वह बकरी के उत्पात को देखता है। और फिर श्लोक 13 से 14 में, वह पवित्र लोगों के बीच संवाद सुनता है।

तो दर्शन खंड श्लोक 5 से शुरू होता है और 14 तक जाता है। मुझे इसे हमारे लिए पढ़ने दें। जब मैं इस पर विचार कर रहा था, तो देखो, एक नर बकरा पश्चिम से पूरी पृथ्वी पर बिना ज़मीन को छुए आया।

और बकरे की आँखों के बीच एक सींग था। वह उस दो सींग वाले मेढ़े के पास आया, जिसे मैंने नहर के किनारे खड़े देखा था। और वह अपने प्रबल क्रोध में उस पर दौड़ा।

मैंने देखा कि वह मेढ़े के पास आया और उस पर क्रोधित हो गया। उसने मेढ़े पर प्रहार किया और उसके दोनों सींग तोड़ दिए। मेढ़े में उसके सामने खड़े होने की शक्ति नहीं थी, बल्कि उसने उसे जमीन पर गिरा दिया और उसे रौंद दिया।

और कोई भी ऐसा नहीं था जो मेढ़े को उसकी शक्ति से बचा सके। तब, बकरा बहुत शक्तिशाली हो गया। और जब वह शक्तिशाली हो गया, तो उसका बड़ा सींग टूट गया।

और इसके स्थान पर, स्वर्ग की चारों दिशाओं की ओर चार विशिष्ट सींग निकले। और उन में से एक छोटा सा सींग निकला, जो दक्खिन की ओर, पूर्व की ओर, महिमामय देश की ओर बहुत बड़ा हो गया। यह महान हो गया, यहाँ तक कि स्वर्ग के यजमान तक भी।

कुछ मेज़बानों और कुछ सितारों को ज़मीन पर गिरा दिया गया और रौंद दिया गया। यह महान बन गया, यहाँ तक कि मेज़बान के राजकुमार जितना भी महान। नियमित होमबलि उससे छीन ली गई, और उसके पवित्रस्थान को उजाड़ दिया गया।

अपराध के कारण नित्य होमबलि के साथ उसे एक मेज़बान भी दिया जाएगा। और यह सत्य को जमीन पर पटक देगा, और यह कार्य करेगा और समृद्ध होगा। तभी मैंने एक पवित्र व्यक्ति को बोलते हुए सुना।

और एक और पवित्र मनुष्य ने बोलनेवाले से कहा, नित्य होमबलि, उजाड़ करनेवाला अपराध, और पवित्रस्थान और मेज़बान को पांव तले रौंदने का दर्शन कब तक है? और उस ने मुझ से कहा, 2,300 सांझ और सबेरे के लिये। फिर, अभयारण्य को उसकी सही स्थिति में बहाल किया जाएगा। ठीक है।

तो, वह पश्चिम से आ रही एक सींग वाली बकरी को देखता है और उससे परिचय होता है, अरे, आश्चर्य, यहाँ यह एक सींग वाली बकरी आती है। और यह पूरे देश में दौड़ लगाता है। हिब्रू कुछ ऐसा है, और कुछ भी जमीन को छू नहीं रहा था।

तो, यह लगभग है, आप लगभग कह सकते हैं कि यह उड़ गया। यह जमीन के पार, जमीन के पार उड़ गया। इसकी आंखों के बीच एक बड़ा सींग होता है।

वह दो सींग वाले मेढ़े तक आता है, और उस पर प्रचंड शक्ति से दौड़ता है। हमें यह नहीं बताया गया कि यह बकरी इतना क्रोधित क्यों है, लेकिन वह इस मेढ़े की ओर दौड़ती है। फिर, डैनियल अगला व्यक्तिगत दर्शन शुरू करता है, जो बकरी का उत्पात है।

उनका कहना है कि यह बकरी गुस्से में थी। इसने मेढ़े पर प्रहार किया। इससे मेढ़े के दो सींग टूट गये।

इसने उसे जमीन पर फेंक दिया। इसने उसे रौंद डाला। यह एक पागल बकरी है।

और इस सब में मेढ़ा सफल इसलिए हो सका क्योंकि, या क्षमा करें, बकरी सफल हो सकी क्योंकि मेढ़े के पास कोई शक्ति नहीं थी। जैसे किसी जानवर के पास मेढ़े के खिलाफ कोई शक्ति नहीं थी, वैसे ही अब मेढ़े के पास बकरी के खिलाफ कोई शक्ति नहीं है। और जैसे अन्य पशुओं को मेढ़े से कोई बचाने वाला न था, वैसे ही अब मेढ़े को बकरी से छुड़ाने वाला भी कोई नहीं।

और बकरी जारी है। और यह भाषा लगातार बड़ी होती जा रही है। यह स्वयं को बड़ा करता है और यह स्वर्ग के यजमानों तक पहुंच रहा है।

और अपनी ताकत के चरम पर, बकरी का एक सींग टूट जाता है। और उस एक सींग से चार सींग निकलते हैं जो स्वर्ग की चारों हवाओं की ओर बढ़ते हैं और हर दिशा में चलते हैं। और फिर, उनमें से एक से हमें एक छोटा सींग मिलता है।

कुछ अनुवादों में एक छोटा सींग लिखा होगा। यही ESV में भी लिखा है। एक छोटा सींग, चार में से एक से निकलने वाला एक छोटा सींग।

और यही वह बात है जिससे इस दृष्टि खंड का बाकी हिस्सा संबंधित है, छोटा सींग। चार बड़े सींग बस दृष्टि से गायब हो जाते हैं। वे महत्वपूर्ण नहीं हैं।

दर्शन में जिस चीज की चिंता की जाती है, वह है यह छोटा सींग। यह छोटा सींग उगता है और बढ़ा हो जाता है। यह बहुत बढ़ता है।

इसमें कहा गया है कि यह तीन दिशाओं में अत्यधिक विकसित हुआ, जिसे एक साथ करना असंभव होगा। तो, यह संभवतः एक साथ पहुँचने का वर्णन कर रहा है। ईएसवी का कहना है कि यह पहले दक्षिण की ओर, फिर पूर्व की ओर और फिर गौरवशाली भूमि की ओर जाता है।

अन्य अनुवाद सुंदर की ओर कहते हैं। सुंदर या खूबसूरत भूमि इज़राइल और विशेष रूप से यरूशलेम का संदर्भ है। हमें पुराने नियम में अन्य स्थान मिलते हैं।

और यरूशलेम के सुंदर होने का कारण उसके दृश्य नहीं हैं। कभी-कभी पृथ्वी वास्तव में बिल्कुल भी सुंदर नहीं होती। लेकिन यह सुंदर है क्योंकि यही वह स्थान है जहां यहोवा ने अपना नाम रखने के लिए चुना।

यहीं पर यहोवा अपने लोगों के बीच रहता था। इसीलिए यह सुंदर है। यह छोटा सींग स्वर्ग की सेना तक बढ़ता है, जो संभवतः उस दिव्य सभा का संदर्भ है जो यहोवा के अधीन कार्य करती है, उसके सिंहासन के सामने कार्य करती है, और इज़राइल की ओर से भी लड़ती है।

हमारे पास स्वर्ग की सेना है जो यहोशू और 1 किंग्स की किताब में इज़राइल के लिए लड़ती है। और फिर, जिस भाषा में आप बिल्कुल नहीं समझते हैं, यह छोटा सा सींग कुछ सितारों और कुछ मेज़बानों को गिरा देता है। तो, आपके पास वह है जो हम सीखने जा रहे हैं: एक मानव राजा सितारों और मेज़बानों को गिरा देता है।

और यह उन्हें रौंद देता है। और ईमानदारी से, श्लोक 11 और 12, यदि आप चार अलग-अलग अनुवादों को पंक्तिबद्ध करें और उन्हें पढ़ें, तो वे सभी इसे थोड़ा अलग तरीके से निपटाएंगे। यह सचमुच कठिन हिब्रू है।

वाक्यविन्यास कठिन है। शब्दावली कठिन है। व्याकरण कठिन है।

यह मुश्किल है। हमारे पास एक सामान्य विचार है कि क्या होता है। इसमें किसी को संदेह नहीं है।

लेकिन सभी विवरणों के बारे में निश्चित होना कठिन है। इसमें कहा गया है कि यह छोटा सा सींग मेज़बान के राजकुमार के सामने भी अपनी महिमा प्रकट करता है। या कुछ अनुवादों में मेज़बान का कमांडर कहा जाएगा।

और हर कोई इस बात से सहमत है कि यह ईश्वर का संदर्भ है। मेज़बान का सेनापति ईश्वर का संदर्भ है। जब हम वास्तविक व्याख्या पर पहुँचेंगे तो हम उस पर वापस आएँगे।

मेज़बान के इस कमांडर से छीन लिया जाता है, यह कहता है, ईएसवी का कहना है कि नियमित होमबलि। यह एक और थोड़ा कठिन शब्द प्रतिबिंबित कर रहा है। यह तमिड है, और कुछ शाब्दिक अनुवादों में इसे नित्य कहा जाता है।

लेकिन इसका संदर्भ जेरूसलम मंदिर में होने वाले दैनिक बलिदानों से है। तो, वे दिन में दो बार होते हैं। वे सुबह होते हैं।

वे शाम को होते हैं। और उन बलिदानों को करने के बारे में आदेश ही यह है कि उन्हें लगातार चढ़ाया जाना चाहिए। इसलिए वह शब्द तामिद निरंतर वाला भाग है।

दानियेल की पुस्तक में यह सिर्फ उन बलिदानों का प्रतिनिधित्व करता है। तो, वापस यहाँ क्या होता है। छोटा सींग सेनापति से नियमित बलिदान छीन लेता है, और यह कहता है कि पवित्र स्थान, सेनापति के पवित्र स्थान को गिरा दिया गया।

और फिर प्रतिदिन की बलि के साथ मेज़बान को सौंप दिया गया। और यह इन सभी चीज़ों के होने का कारण बताता है। यह कहता है कि यह अपराध के कारण होता है।

अच्छा, अपराध किसका? यह वास्तव में एक बहुत बड़ा प्रश्न है। क्या यह मेज़बान का अपराध है? क्या यह उन लोगों का अपराध है जिनका मेज़बान प्रतिनिधित्व करता है, अर्थात् परमेश्वर के लोग? क्या यह अंततः एंटीओकस का अपराध है? छोटे सींग का अपराध? यह किसका अपराध है? हमें पता नहीं। असहमति है।

टिप्पणीकार दोनों तरफ जाएंगे, और यह फिर से सामने आएगा। इस अध्याय में अपराध शब्द तीन बार आता है, और यह पहचानने की कोशिश करना कि किसका अपराध है, थोड़ा मुश्किल है। भले ही इस छोटे से सींग का वर्णन इन भव्य शब्दों से किया गया हो, लेकिन ऐसा लगता है कि इस छोटे से सींग में असीमित शक्ति है।

लेकिन पाठ में कुछ सूक्ष्म संकेत हैं कि यह शक्ति और यह सफलता वास्तव में छोटे सींग को दी जा रही है। छोटा सींग वह नहीं है जो दुनिया को जीत रहा है, बल्कि छोटे सींग के पीछे कुछ हाथ उसे दुनिया जीतने की अनुमति देते हैं। उदाहरण के लिए, इस छोटे से सींग की महानतम

उपलब्धियों का पुनर्गणना करते हुए, होमबलि को हटाते हुए, उसके पवित्र स्थान को नीचे फेंकते हुए।

हिब्रू में यह वास्तव में निष्क्रिय क्रियाओं के साथ बताया गया है। तो, इसे हटा दिया गया है, जो कि वे सूक्ष्म हैं। यह अध्याय अपने प्रोत्साहन में बहुत सूक्ष्म है।

कभी-कभी, मैं इसे कंजूस आराम कहता हूँ। यह वहां है, लेकिन यह वहां नहीं है। लेकिन इसे पाने के लिए आपको काम करना होगा।

अभी भी बहुत सारी पीड़ाएँ चल रही हैं। तो इस छोटे से सींग में बड़ी शक्ति है, लेकिन बस थोड़ा सा संकेत है कि शक्ति की अनुमति है। इसे शक्ति प्राप्त करने की अनुमति है।

इसमें शक्ति नहीं लगती. और यह कुछ ऐसा है जो डैनियल के इस धर्मशास्त्र में फिट बैठता है जहां आपके पास महान मानव राजा हैं। आपके पास नबूकदनेस्सर है, जो महान राजा है, लेकिन उसे राजा बनने की अनुमति है।

उसकी शक्ति ईश्वर से प्राप्त होती है। ईश्वर उसे यह प्रदान करता है। तो यह पुस्तक का विषय है और यह यहाँ विषय के साथ बिल्कुल फिट बैठता है।

यह कहता है कि छोटे सींग ने सत्य को जमीन पर गिरा दिया। जब देवदूत इसके पास पहुँचेगा तो हम इसका मतलब क्या होगा, उस पर वापस आएँगे। यह कहता है कि छोटा सींग, उसने ऐसा किया और वह सफल हुआ।

या जो भी यह करना चाहता था, उसने किया। यह ठीक वैसे ही समृद्ध हुआ जैसे मेढ़े ने किया था। ऐसा प्रतीत होता है कि इस छोटे से सींग की कोई सीमा नहीं है।

एक कथन है जिसे छोटे सींग के इस विवरण में दोहराया नहीं गया है। तो, मैंने कहा कि मेढ़े का वर्णन, बकरी का वर्णन, कई बार ऐसे बयान दिए गए जैसे कोई भी इसके खिलाफ खड़ा नहीं हो सकता। छोटे सींग के बारे में भी यही कहा गया है।

और फिर एक बयान कि उस प्राणी से, उस जानवर से मुक्ति दिलाने वाला कोई नहीं था। वह कथन छोटे सींग के बारे में नहीं कहा गया है। कोई भी उसके हाथ से छुटकारा नहीं दिला सकता था।

यह राम के बारे में कहा गया है. यह बकरी के बारे में कहा गया है. यह छोटे सींग के बारे में नहीं कहा गया है।

लेकिन आप सोचेंगे कि यह सच होगा, है ना? यहाँ हमारे पास है: यदि बकरी के विरुद्ध कोई खड़ा नहीं हो सकता, तो मेढ़े के विरुद्ध भी कोई खड़ा नहीं हो सकता; छोटा सींग और भी बड़ा है. निःसंदेह, सत्ता से, इससे मुक्ति दिलाने वाला कोई नहीं था। लेकिन दृष्टि ऐसा नहीं कहती.

यह कहने की जहमत नहीं उठानी पड़ती. और जब आप मौन रहकर तर्क करते हैं तो आप हमेशा सावधान रहना चाहते हैं क्योंकि दृष्टि इसे नहीं कहती है। मैं इसमें बहुत अधिक नहीं पढ़ना चाहता।

लेकिन मुझे आश्चर्य है कि क्या यह उन सूक्ष्म संकेतों में से एक है कि कोई था जो छोटे सींग से बचाव कर सकता था, लेकिन उसने अपना हाथ रोक दिया। अब, यह दूसरों के बारे में भी सच था, है ना? यदि परमेश्वर ने छोटे सींग से बचाया होता, तो वह निश्चित रूप से मेढ़े और बकरी से भी बचा सकता था। लेकिन इस दृष्टि को वास्तव में उनकी परवाह नहीं है।

यह छोटे सींग की परवाह करता है क्योंकि छोटा सींग परमेश्वर के लोगों को प्रभावित करता है। और इसलिए यह केवल एक सूक्ष्म संकेत हो सकता है कि कोई था जो उद्धार कर सकता था, लेकिन उसने ऐसा होने दिया। वह पीछे हट गया और ऐसा होने दिया।

तो, हो सकता है कि मैं ज़रूरत से ज़्यादा पढ़ रहा हूँ। मुझे इससे कोई परेशानी नहीं है। यह उन सूक्ष्म संभावनाओं में से एक है जो डैनियल की पुस्तक के धर्मशास्त्र के साथ फिट बैठती है।

इस विज्ञान ब्लॉक के भीतर अंतिम व्यक्तिगत दृष्टि पवित्र लोगों के बीच इस संवाद की है। इसलिए, डैनियल पवित्र लोगों को सुनता है या बात करते हुए सुनता है, और उसने वास्तव में यह नहीं बताया कि ये प्राणी कौन थे, वे कहाँ से आए थे, बस वे वहाँ खड़े थे। और उनका रूप है, उनमें से एक का रूप मनुष्य जैसा है, या मनुष्य के पुत्र जैसा है, जैसा कि संभवतः हिब्रू में कहा गया है।

तो, यह एक इंसान की तरह दिखता है, इसमें एक इंसानी आकृति है। और यह पवित्र व्यक्ति कहता है, कब तक? कब तक ऐसा होने दिया जाएगा? और इस तरह की भाषा भजनों में विलाप में हम जो सुनते हैं, उसमें से बहुत कुछ प्रतिध्वनित होती है। हे प्रभु, कब तक? आप दुष्टों को कब तक समृद्ध होने देंगे? धर्मी लोग कब तक पीड़ित रहेंगे? और यह इस विलाप को याद दिलाता है।

यहाँ पर खास सवाल यह है कि रोज़ाना की जाने वाली बलि को कब तक हटाया जाएगा? पद 12 में वर्णित वह विनाशकारी अपराध कब तक जारी रहेगा? पवित्र स्थान को कब तक सौंप दिया जाएगा? मेज़बानी को कब तक सौंप दिया जाएगा? ये सभी चीज़ें कब तक चलती रहेंगी? इसका उत्तर, कुछ हद तक, 2,300 शाम और सुबह है, यह कहता है। उसके बाद, पवित्र स्थान को सही किया जाएगा। या ESV कहता है कि पवित्र स्थान को उसकी सही स्थिति में बहाल किया जाएगा।

हमें बस इतना ही पता चला। 2,300 शामों और सुबहों का क्या मतलब है, इसका कोई स्पष्टीकरण नहीं है। इसलिए, आप निश्चित हो सकते हैं कि आपके हिसाब से इसका क्या मतलब है, इसके लिए विकल्प उपलब्ध हैं।

उस संख्या का क्या अर्थ हो सकता है, इसके लिए कम से कम तीन, तीन सुझाव हैं। पहला यह कि यह संख्या मंदिर में शाम और सुबह के बलिदानों की संख्या को दर्शाती है। तो प्रति दिन दो थे, है ना? एक सुबह का बलिदान है, एक शाम का बलिदान है।

इसलिए, यदि आप 2,300 को दो से विभाजित करके लेते हैं, तो आपको 1,150 दिन मिलेंगे। तो, 1,150 दिनों के दौरान, 2,300 बलिदान किये जायेंगे। यह तीन साल से थोड़ा अधिक है।

इसलिए, यदि आपने अध्याय सात पढ़ा है, तो इसमें एक समय, समय और आधे समय के बारे में बात की गई है। और मैंने उस बारे में बात करने में कोई समय बर्बाद नहीं किया। लेकिन आम तौर पर बेहतर या बदतर के लिए व्याख्या की जाने वाली एक विधि यह है कि समय एक है, समय, जैसे कि एक वर्ष में, समय वास्तव में एक दोहरा शब्द है।

हमारे यहां अंग्रेजी में डुअल नहीं है। यह सिर्फ एक सीधा बहुवचन नहीं है। इसका मतलब है दो।

तो, एक वर्ष, दो वर्ष और आधा समय 0.5 है। तो, आप उन सभी को एक साथ जोड़ दें और आपको साढ़े तीन साल मिलेंगे। समय, समय और आधा समय। वर्ष के लिए एक शब्द है जिसका प्रयोग किया जा सकता था।

इसका उपयोग नहीं किया जाता। इसलिए, मुझे नहीं पता कि यह वास्तव में कितना विशिष्ट दृष्टिकोण है। लेकिन किसी भी दर पर, यह संख्या जिसे आप समय, समय और आधे समय से प्राप्त कर सकते हैं, 2,300 शाम और सुबह की इस व्याख्या के बॉलपार्क के भीतर है।

यह तीन साल से कुछ अधिक होगा। यह एक विकल्प है। उस समय सीमा का क्या अर्थ है इसके लिए दूसरा विकल्प यह है कि उन 2,300 में से प्रत्येक एक दिन का प्रतिनिधित्व करता है।

प्रत्येक व्यक्ति एक दिन का प्रतिनिधित्व करता है। इसलिए, पुराने नियम में, एक दिन को अक्सर शाम और सुबह के रूप में जाना जाता है। शाम और सुबह।

यदि आप उत्पत्ति 1 वृत्तांत को देखें, तो हमारे पास शाम और सुबह है। वह एक दिन है, पहला दिन। तो, 2,300 शामें और सुबहें 2,300 दिन होंगी, जो छह साल और लगभग चार महीने हैं, जो कि सात साल से थोड़ा कम है, और सात पूरा होने की संख्या है। तो, विचार यह होगा कि इन सभी चीजों के पूरा होने तक, पूरा समय, यानी कि कौन जानता है कि वह कब होगा।

तीसरा विचार यह है कि संख्या प्रतीकात्मक है, जो आमतौर पर मेरी पसंदीदा है क्योंकि आपको सभी संख्याओं को काम में लाने और फिट करने की कोशिश नहीं करनी पड़ती है, जो मुख्य रूप से साहित्यिक पाठ में वास्तव में कठिन है। यह कोई गणितीय पाठ नहीं है।

तो, संख्या प्रतीकात्मक है, और यदि संख्या प्रतीकात्मक है, तो उसे किसी प्रकार की कैलेंडर व्याख्या में फिट होने की आवश्यकता नहीं है। इसका किसी भी प्रकार के कैलेंडर में फिट होना आवश्यक नहीं है। सटीक बिंदु जो भी हो, या सटीक समय जो भी हो, मुद्दा यह है कि अभयारण्य को बहाल किया जा रहा है।

इस कष्ट का अंत होने वाला है। और वह, कुछ मायनों में, यह प्रोत्साहन है, लेकिन यह वास्तव में बहुत बड़ा प्रोत्साहन नहीं है। आपके कष्ट समाप्त हो जायेंगे।

यही प्रोत्साहन है. ठीक है बढ़िया। यह कब तक चलेगा? खैर, यह चलेगा, लेकिन यह खत्म होने वाला है।

पवित्र व्यक्ति यहाँ यही प्रदान करता है। यह दूसरे विज्ञान ब्लॉक का अंत है। और फिर डेनियल थोड़ा भ्रमित हो गया।

वह इसे नहीं समझता है, इसलिए वह व्याख्या की तलाश करता है। वह श्लोक 15 से 27 में तीसरे दृष्टि खंड में समझ की तलाश करता है। तो मुझे उसे पढ़ने दीजिए।

जब मैं, डेनियल, ने दर्शन देखा, तो मैंने इसे समझने की कोशिश की। और देखो, एक मनुष्य का सा रूपवाला मेरे पास खड़ा है। और मैं ने उली के किनारे से एक मनुष्य का शब्द सुना, और पुकारा, हे जिब्राएल, इस मनुष्य को जो दर्शन हुआ है उसे समझा दे।

तो वह मेरे पास आया, जहाँ मैं खड़ा था, और जब वह आया, तो मैं डर गया और मुँह के बल गिर पड़ा। परन्तु उस ने मुझ से कहा, हे मनुष्य के सन्तान, समझ ले, कि यह दर्शन अन्त के समय के लिये है। और जब वह मुझ से बातें कर चुका, तो मैं गहरी नींद में सो गया, परन्तु उस ने मुझे छूकर खड़ा कर दिया।

उस ने कहा, देख, मैं तुझे बताऊंगा कि क्रोध के अन्त के समय क्या होगा, क्योंकि यह अन्त के नियत समय की ओर है। और जो मेढ़ा तू ने दो सींगोंवाला देखा, वे मादी और फारस के राजा हैं। और बकरी यूनान का राजा है।

और उसकी आँखों के बीच का बड़ा सींग पहला राजा है। जहाँ तक उस सींग की बात है जो टूट गया था, जिसके स्थान पर चार अन्य उत्पन्न हुए, उसके राष्ट्र से चार राज्य उत्पन्न होंगे, परन्तु उसकी शक्ति से नहीं। और उनके राज्य के अन्त में, जब अपराधी अपनी सीमा पर पहुंच जाएंगे, तब एक निर्भीक और पहेलियों को समझनेवाला राजा उदय होगा।

उसकी शक्ति महान होगी, परन्तु अपनी शक्ति से नहीं। मैंने बस अपना स्थान खो दिया। और वह भयानक विनाश करेगा, और जो कुछ वह करेगा उसमें सफल होगा, और शूरवीरों और पवित्र लोगों को नष्ट कर देगा।

वह अपनी चतुराई से अपने हाथ के नीचे छल को सफल करेगा, और अपने मन में महान बन जाएगा। बिना किसी चेतावनी के, वह बहुतों को नष्ट कर देगा, और वह हाकिमों के सरदार के विरुद्ध भी उठेगा, और वह टूट जाएगा, परन्तु किसी मनुष्य के हाथ से नहीं। सांझ और भोर का जो दर्शन बताया गया है, वह सत्य है, परन्तु उस दर्शन को बन्द कर दो, क्योंकि वह अब से बहुत दिन बाद का है।

और मैं, डेनियल, पर काबू पा लिया गया और कुछ दिनों तक बीमार पड़ा रहा। फिर मैं उठा और राजा के काम में लग गया, लेकिन मैं उस दर्शन से चकित हो गया और उसे समझ नहीं पाया। तीन; वास्तव में, दो हैं।

सबसे पहले, मैं इसे शाम और सुबह के दर्शन की व्याख्या कहता हूँ। अब यह एक लंबा शीर्षक है। मैं शाम और सुबह के दर्शन पर ध्यान केंद्रित करना चाहता हूँ क्योंकि व्याख्याकार इसे यही कहते हैं।

हम इसे आम तौर पर मेढ़े और बकरी का दर्शन कहते हैं, जिसमें मेढ़ा और बकरी दोनों होते हैं, लेकिन देवदूत इसे शाम और सुबह का दर्शन कहते हैं। इसलिए, मैं देवदूत के साथ ही रहूँगा। यह काफी विश्वसनीय है।

तो, यह वहाँ शाम और सुबह के दर्शन की व्याख्या है। तो, पहली बात जो दानियेल ने बताई वह एक आदमी की शकल जैसी है। और मुझे लगता है कि मैंने यहाँ गलत कहा।

मैं गलत पाठ देख रहा था। एक में मनुष्य जैसा रूप, मनुष्य जैसा। फिर, दूसरे में, जो कि श्लोक 16 से 26 है, वह व्याख्या बताता है।

और फिर इसकी एक लंबी सूची है जिसे मैं यहां नहीं रखूँगा। और श्लोक 27 उचित दर्शन का हिस्सा नहीं है, लेकिन यह पूरी रिपोर्ट के लिए डैनियल का निष्कर्ष है। ठीक है, तो आइए इन्हें अधिक बारीकी से देखें।

तो, वह पहले पद 15 में कहता है कि वह अपने सामने देखता है, देखो, वह आश्चर्यचकित हो जाता है, वह अपने सामने एक मनुष्य की शकल वाला देखता है। तो, मुझे विज्ञान ब्लॉक दो के संबंध में खुद को सही करने दीजिए। उसने पवित्र लोगों को बोलते हुए सुना, परन्तु उसने उन्हें किसी मनुष्य की शकल वाला नहीं बताया।

यहीं पर इंसान की शकल सामने आती है। तो, मेरे सामने कोई खड़ा है जो इंसान जैसा दिखता है। तो, यह दृष्टि में कोई नया है।

उसने अन्य प्राणियों का वर्णन किया है जिन्हें उसने देखा है, लेकिन यह आश्चर्य एक नया व्यक्ति है। फिर उसने जो सुना वह बताता है। वह कुछ भी नहीं देखता है, लेकिन दृष्टि का यह हिस्सा वही है जो वह सुनता है।

वह एक मानव आवाज सुनता है। तो, वहाँ एक देवदूत जैसी आकृति है, एक आदमी जैसा दिखने वाला व्यक्ति उसके सामने खड़ा है, लेकिन वह नहर की दिशा से एक आवाज, एक मानव आवाज सुनता है। वह उस आवाज के साथ कुछ भी देखने की रिपोर्ट नहीं करता है।

वह सिर्फ एक आवाज़ सुनता है, एक मानवीय आवाज़। और आवाज़ कहती है, गेब्रियल, इस आदमी को दर्शन के बारे में समझाओ। तो, हम यहाँ यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि गेब्रियल ही वह आकृति है जो उसे दिखाई दी, यह मानव जैसी आकृति, और उसे आवाज़ द्वारा दर्शन की व्याख्या करने का निर्देश दिया जा रहा है।

गेब्रियल उन दो स्वर्गदूतों में से एक है जिनका नाम बाइबल में दिया गया है। दूसरे का नाम माइकल है। गेब्रियल का नाम यहाँ और बाद में पुस्तक में और फिर ल्यूक के सुसमाचार में आता है।

वह वही है जो घोषणा करने आता है, आइए देखें, वह जॉन द बैपटिस्ट के जन्म की घोषणा करता है और वह यीशु के जन्म की घोषणा करता है। माइकल का नाम बाइबिल में भी है। जब हमें दूसरे मंदिर में लिखे गए अधिक साहित्य मिलते हैं जो बाइबिल के सिद्धांत में शामिल नहीं हैं, तो हमने सभी जगह स्वर्गदूतों का नाम दिया है।

द्वितीय मंदिर काल के दौरान एंजेलोलॉजी वास्तव में बहुत विकसित हुई। तो, गेब्रियल वह है जो ईश्वर से संदेश देता है। तो, यदि गेब्रियल को यह संदेश देने का निर्देश दिया जा रहा है, तो संभवतः उसे किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा निर्देश दिया जा रहा है जिसके पास उस पर अधिकार है, है ना? यह स्वयं ईश्वर की आवाज हो सकती है, हम नहीं जानते।

जंगल में परमेश्वर की आवाज़, कभी-कभी यह गड़गड़ाहट जैसी लगती है और यह भयानक होती है या कई पानी और कभी-कभी यह मानव आवाज़ जैसी लगती है। एक जगह तो यह फुसफुसाहट जैसी भी लगती है। इसलिए, यह बहुत संभव है कि वह आवाज़, वह मानवीय आवाज़ जिसे डैनियल ने सुनने की रिपोर्ट की है, वह ईश्वर की आवाज़ है जो गेब्रियल को दर्शन की व्याख्या करने का निर्देश दे रही है।

इसलिए, गेब्रियल आगे बढ़ता है और डैनियल के पास आता है जहाँ वह खड़ा है। डैनियल डर जाता है, और वह अपने चेहरे पर गिर जाता है। और इसलिए, गेब्रियल उससे कहता है, समझो, हे मनुष्य के पुत्र, यह दर्शन अंत समय या अंत के समय के लिए है। और अंग्रेजी अनुवादों में, गेब्रियल के शब्द यहाँ कुछ इस तरह से लगते हैं जैसे वह मानव इतिहास के अंत, सभी चीजों के अंत के बारे में बात कर रहा है, जो जरूरी नहीं कि यहाँ हो रहा हो।

गेब्रियल एक अंत समय, किसी चीज़ के अंत के बारे में बात कर रहा है, न कि पूंजी ई और टी समय के बारे में। यह किसी चीज़ का अंत है। डैनियल ने अपने दर्शन में ऐसी घटनाओं को देखा है जो एक विशेष समय को संदर्भित करती हैं जिसे मैंने मिटा दिया है, एक विशेष समय, लेकिन गेब्रियल यह निर्दिष्ट करने जा रहा है कि वह किस समय के बारे में बाद में बात कर रहा है।

तो, फिर डैनियल गहरी नींद में सो जाता है, जो एक तरह से ट्रान्स की तरह हो सकता है। इस शब्द का उपयोग पुराने नियम में अन्यत्र इस गहरी नींद का वर्णन करने के लिए किया गया है जो स्वयं ईश्वर द्वारा लाई गई है। तो, डैनियल गहरी नींद में सो जाता है और गेब्रियल उसे छूता है, उसे उठाता है और वह फिर से बोलता है।

तो, वास्तविक व्याख्या के लिए हमारे पास यह लंबा रास्ता है, है ना? गेब्रियल ने डैनियल को यह बताने के लिए कहा कि सपने का क्या मतलब है, दर्शन का क्या मतलब है। और हमारे पास डैनियल लगभग मर रहा है और हमने उसे गहरी नींद में सोता हुआ पाया है। हमारे पास गेब्रियल है जो उसे छू रहा है और उसे ऊपर उठा रहा है, जिससे वह दर्शन का अर्थ प्राप्त कर सके।

दर्शन की यह लंबी शुरुआत शायद न केवल डैनियल द्वारा देखी गई चीजों के महत्व को दर्शाती है, बल्कि यह भी बताती है कि उसे इसे समझने में कितनी कठिनाई होगी। इसलिए, यह देखना बहुत कठिन है, इसे समझना कठिन है, और इसे आत्मसात करना कठिन है। इस दर्शन में बहुत बड़ी पीड़ा को दर्शाया गया है और डैनियल को इसे आत्मसात करने की कोशिश करनी होगी।

दानियेल को दर्शन के लिए तैयार होने में जो कठिनाई हो रही थी, वह पुस्तक के आखिरी दर्शन तक पहुँचने पर कई बार और भी बढ़ जाती है। दानियेल को परमेश्वर द्वारा भेजे गए संदेश को सुनने के लिए तैयार होने में लगभग एक पूरा अध्याय लग जाता है। ठीक है, तो वास्तविक व्याख्या श्लोक 19 में शुरू होती है।

और गेब्रियल कहता है, हिन, या देखो। और यह शायद कोई आश्चर्य की बात नहीं है! शायद यही मैं कहने वाला हूँ, जो वाकई महत्वपूर्ण है, इसलिए सुनो। लेकिन फिर सुनो कि वह क्या कहता है।

तो, सुनो, मैं तुम्हें बताने जा रहा हूँ कि आक्रोश का अंतिम परिणाम क्या होगा। खैर, यह एक अजीब सी बात है, यह कहना महत्वपूर्ण है। ये सभी प्राणी कौन हैं इसका अर्थ बताइये।

आपके द्वारा मुझे कुछ ऐसा बताने से भी अधिक महत्वपूर्ण लगता है जो बाद में होने वाला है। मुझे लगता है कि गेब्रियल ने अभी यहां जो कहा है उसका महत्व वास्तव में कुछ ऐसा है जो इस दृष्टि का प्राथमिक आराम है। अब तक दर्शन रिपोर्ट में यह बात बार-बार कही गई है कि जो पीड़ा डैनियल देख रहा है, यह स्वप्न जो डैनियल देख रहा है, उसका एक निश्चित अंत है।

तो, श्लोक 13 में, पवित्र ने कहा, यह कब तक चलेगा? और श्लोक 14 में, हमें एक विशिष्ट उत्तर मिला। 2,300 शामें और सुबहें। पद 17, गेब्रियल का कहना है कि यह दर्शन अंत समय के लिए है।

पद 19, वह कहता है कि यह आक्रोश का अंत होगा। यह बात बार-बार दोहराई जाती है कि हाँ, यह भयानक है, लेकिन इसका अंत है। यह इसके अंत के बारे में है।

किसी ने इसका अंत नियुक्त कर दिया है। और यह पूरा हो जायेगा। और जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे हम इसके बारे में और अधिक बात करेंगे क्योंकि जैसा कि मैंने कहा, मुझे लगता है कि पाठ वास्तव में इस भयावह दृष्टि के प्रोत्साहन, आराम पर केंद्रित है।

इसके बाद व्याख्या आती है, और इसमें हमारे लिए वास्तव में अद्भुत विशिष्टता है। और इसके बारे में जो चीज़ वास्तव में अद्भुत है वह यह है कि टिप्पणीकार असहमत नहीं हो सकते। इसलिए यदि स्वर्गदूत कहता है कि मेढ़ा मादी-फारस है, तो टीकाकार कहते हैं कि मेढ़ा मादी-फारस है।

इस पर किसी को असहमत होने की जरूरत नहीं है। यह अध्याय 7 और अध्याय 9 के बारे में सच नहीं है, लेकिन हम एक देवदूत से प्यार करते हैं जो इतना विशिष्ट है। तो, मेढ़ा मादी और फारस का राजा है।

गेब्रियल बस इतना ही कहता है। अब हमने इस मेढ़े के बारे में बहुत सारी चीज़ें देखीं। हमने उसके स्वरूप का वर्णन किया था, दो सींग, एक लंबा, एक बाद में आता है।

हमने सुना कि राम ने क्या किया। गेब्रियल उसमें से कुछ भी स्पष्ट नहीं करता है। वह बस इतना कहता है कि राम वही है।

और फिर वह बकरी और उसके बड़े एक सींग की व्याख्या करता है। और बकरी, हर कोई सहमत है, ग्रीस का राजा है। और सभी इस बात से भी सहमत हैं कि ग्रीस का वह राजा, एक सींग वाला, सिकंदर महान है।

बकरी ग्रीस का राजा है और उसकी आँखों के बीच का बड़ा सींग पहला राजा है। तो, पहला राजा, हालाँकि तकनीकी रूप से वह पहला राजा नहीं है, लेकिन यह बात से परे है। पहला राजा यह सिकंदर महान है।

वह फारस को जीतने जा रहा है। उसकी आँखों के बीच का बड़ा सींग पहला राजा है। अब तक, हमारे टिप्पणीकारों के बीच एक अद्भुत सहमति है।

और फिर, बकरी के एक सींग से निकलने वाले चार सींगों में से, हमें बताएं कि वे कौन हैं। खैर, हम गेब्रियल से केवल इतना सुनते हैं कि वे चार सींग चार राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो एक साम्राज्य से आते हैं। लेकिन वे एकल साम्राज्य जितने मजबूत नहीं हैं।

वह उनको नहीं पहचानता। लेकिन शुक्र है कि हर कोई इस बात से सहमत है कि हम सिकंदर महान के उत्तराधिकारियों के बारे में बात कर रहे हैं। वहाँ चार हैं।

कुछ इतिहासकार वहाँ अतिरिक्त लोगों को रखेंगे, जो इस बात पर निर्भर करेगा कि आप जनरलों की गिनती कैसे करना चाहते हैं और उनके पास कितनी शक्ति थी। कुल मिलाकर यह संख्या चार ही हो सकती है। हालाँकि, कई जनरलों को वास्तव में जमीन मिल गई और माना जाता है कि उन सभी के पास यह है।

हमें केवल दो की परवाह है। हमें इनमें से केवल दो सींगों की परवाह है। फिर गेब्रियल इस छोटे सींग के बारे में बात करने के लिए आगे बढ़ता है।

चार के स्थान पर चार राज्य उभरेंगे, एक ही शक्ति के साथ नहीं। और फिर उनके राज्य के अंतिम छोर पर, इसलिए वे चार, जब अपराधी अपनी सीमा तक पहुँच जाते हैं, तब हमें एक राजा मिलता है, यह छोटा सींग। छोटा सींग एक नया राजा है जो तब आता है जब उल्लंघनकर्ता या जब अनुवाद के आधार पर अपराध अपने पूर्ण स्तर पर पहुँच जाते हैं।

और फिर, हमें आश्चर्य होता है कि किसका अपराध अपनी पूर्ण सीमा तक पहुँच गया है ताकि यह नया राजा आए। खैर, दो मुख्य विकल्प हैं। कुछ टिप्पणीकार कहेंगे, ठीक है, हम स्पष्ट रूप से एंटीओकस चतुर्थ के उत्पीड़न के बारे में बात कर रहे हैं, वह छोटा सींग जब उसकी दुष्टता अपनी पूर्णता पर पहुँच गई थी।

यह संभव है। दूसरी संभावना यह है कि यह दूसरे मंदिर काल में धर्मत्यागी यहूदियों का संदर्भ है। इसलिए, जब उनका अपराध अपनी पूर्णता पर पहुंच गया, तब भगवान ने इतिहास को आगे बढ़ाया और इसे उजागर किया।

फिर से, आप इस मुद्दे के दोनों पक्षों पर टिप्पणीकार पा सकते हैं, इसलिए मैं इसे यहाँ नहीं सुलझाऊँगा। लेकिन यह इस अध्याय में अपराधी, अपराध शब्द का तीसरा, या वास्तव में अंतिम, प्रयोग है। पद 12 में, अपराध ही यजमान और नित्य या होमबलि को देने का कारण था।

पद 13 में, अपराध विनाश का कारण था। और फिर पद 23 में हमारे पास यह पूरा हुआ अपराध है। इस राजा, इस छोटे सींग वाले राजा को, चेहरे से भयंकर और पहेलियों को समझने वाले के रूप में वर्णित किया गया है।

यह वास्तव में एक ऐसी भाषा है जो लोगों को कहावतों की याद दिलाती है। जिन लोगों ने ज्ञान साहित्य का अध्ययन किया है, वे शायद उसमें कुछ कहावतें सुन सकते हैं। और पहेलियों को समझना वास्तव में, आमतौर पर, एक सकारात्मक गुण माना जाता है।

यह एक ऐसा वर्णन है जो आप अपने राजा या नेता से करवाना चाहेंगे। आप किसी ऐसे व्यक्ति को चाहते हैं जो उग्र हो और जो कठिन चीजों को समझ सके। यह आमतौर पर एक तारीफ है।

मुझे लगता है कि जॉन कोलिन्स पहेलियों में महारत हासिल करने को एक ऐसी चीज़ के रूप में वर्णित करते हैं जिसे आम तौर पर एक अच्छी चीज़ माना जाता है। इस तरह की बुद्धि राजशाही की एक पारंपरिक विशेषता थी, या कम से कम शाही प्रचार की, पूरे प्राचीन निकट पूर्व में। लेकिन इस वर्णन के बारे में दूसरी बात, यह भयंकर चेहरा, जबकि यह सिर्फ एक मजबूत, शक्तिशाली राजा की तरह लग सकता है, यह एक समान अभिव्यक्ति है जिसका उपयोग नीतिवचन 7 में मोहक व्यभिचारिणी के लिए किया गया है। उसका चेहरा बेशर्म है।

वह चेहरे से बहुत ही उग्र है। और यह उसकी उग्रता ही है जो उसे इस भोले-भाले, इस अशिक्षित युवक को लुभाने में सक्षम बनाती है। वह उसे अपने घर में ले जाती है, जो कब्र तक जाने वाला एक राजमार्ग बन जाता है।

और इस बालक का वर्णन इस प्रकार किया गया है जैसे कोई हिरण पाश में फँसता है। तो, गेब्रियल का एक छोटा सा संकेत हो सकता है कि यह राजा बुद्धिमान प्रतीत हो सकता है, लेकिन वह बहुत चालाकी करने वाला भी होगा। और उसकी बुद्धि विकृत होने वाली है।

यह एक विकृत बुद्धि है। उसकी शक्ति शक्तिशाली होगी, परंतु उसकी शक्ति से नहीं। एक और सूक्ष्म संकेत है कि यह छोटा सींग वाला राजा शीर्ष पर पहुंच जाता है, लेकिन अपनी शक्ति से नहीं।

कोई और है जो उसे सशक्त बना रहा है, उसे सक्षम बना रहा है और उसे बड़ी सफलता हासिल करने की अनुमति दे रहा है। दूसरे विज्ञान ब्लॉक के 9 से 12 में वर्णित छोटे सींग के कार्यों की

व्याख्या गेब्रियल द्वारा की गई है, या वास्तव में गेब्रियल द्वारा संक्षेपित किया गया है, केवल यह कहकर कि वह असाधारण या बहुत अधिक विनाश करेगा, वह सफल होगा, उसे बड़ी सफलता मिलेगी, और वह करेगा. और यह सब कहता है कि वह ऐसा करेगा।

जिसका शायद मतलब यह है कि वह वही करेगा जो वह करना चाहता है। उसे रोकने वाला कोई नहीं था. ईएसवी का कहना है कि अद्वितीय शक्ति के साथ जो उसकी अपनी शक्ति भी नहीं है, वह मजबूत, शक्तिशाली पुरुषों और पवित्र लोगों, या उन लोगों को नष्ट कर देगा जो संत हैं।

वह साज़िश रचने वाला व्यक्ति है। वह चालाक है. और वह छल को फलता-फूलता है।

तो, वह चालाक है. वह बड़ी सफलता प्राप्त करता है क्योंकि वह चतुर है। और इस छोटे सींग के अंत के लिए, सभी दर्शन यही कहते हैं कि वह टूट जाएगा, लेकिन किसी मानव हाथ से नहीं।

यह सब यही कहता है। उसके विनाश के बारे में बस इतना ही पता चलता है। तो, वह बिल्कुल टूट गया है।

बस, और वह घटनास्थल से चला गया। यह महान राजा अभी-अभी चला गया है। बस जल्दी से गायब हो जाता है.

फिर गेब्रियल इस दर्शन को शाम और सुबह का दर्शन कहते हैं। कहते हैं यह सच है. जिब्राएल इसे सांझ और भोर का दर्शन क्यों कहता है, मेढ़े और बकरी का दर्शन क्यों नहीं? ऐसा प्रतीत होता है कि यह सामग्री का बेहतर वर्णन करता है, लेकिन वह इसे शाम और सुबह का दर्शन कहते हैं।

मुझे लगता है क्योंकि यह याद दिलाता है, रुकिए, हमने शाम और सुबह को इस पाठ में कहीं और सुना है। हमने ऐसा पहले कहाँ सुना था? वह पहले दर्शन में याद दिला रहा है, और वह तब था जब पवित्र व्यक्ति ने डैनियल को आश्वासन दिया था कि जो चीजें उसने देखी हैं, ये भयानक चीजें जो उसने देखी हैं, वे केवल 2,300 शाम और सुबह तक चलने वाली हैं। फिर, अभयारण्य का जीर्णोद्धार किया जाएगा या उसे सही बनाया जाएगा।

इसे शाम और सुबह का दर्शन कहकर, मुझे लगता है कि गेब्रियल हमें एक अध्याय में एक अंतिम अनुस्मारक दे रहा है जो ऐसे अनुस्मारक से भरा है कि भले ही चीजें भयानक होने वाली हैं, यह केवल कुछ समय के लिए है। भगवान के पास बुराई का बंधन है, और ऐसा लगता है कि वह उसे बहुत अधिक छूट देता है, है ना? लेकिन उसके पास यह पट्टे पर है। डैनियल ने जो देखा वह भयानक था, लेकिन यह हमेशा के लिए नहीं रहने वाला था।

शाम और सुबह इसके लिए एक समय निर्धारित है। जब वे पूरे हो जाएंगे, तो बहाली हो जाएगी। फिर, डैनियल को दर्शन को सील करने का निर्देश दिया जाता है।

सर्वनाशकारी साहित्य में यह एक सामान्य कथन है। दर्शनों में. और याद रखें, डैनियल का झटका यहां बेलशस्सर के तीसरे वर्ष में है।

जेरूसलम मंदिर अपने ऐतिहासिक समय सीमा में नष्ट हो गया है। इसे अभी तक दोबारा नहीं बनाया गया है। और उसने कुछ सदियों पहले सड़क पर एक नए मंदिर का दृश्य देखा था जो नष्ट हो गया था।

तो, एक तरह से अपने आप को डेनियल की जगह पर रखें। वह शायद अभी भी पहले मंदिर के विनाश से उबर रहा है, और वह भविष्यवक्ताओं के वादे के अनुसार पुनर्स्थापना की आशा कर रहा है, और फिर भी उसके पास एक और मंदिर के विनाश का सपना है। कोई आश्चर्य नहीं कि वह अभिभूत है।

वह इसे स्वीकार नहीं कर सकता। इस दर्शन पर डेनियल की प्रतिक्रिया कम से कम अध्याय 7 की तुलना में बदतर या अधिक तीव्र है। अध्याय 7 के दर्शन के अंत में, उसने कहा कि उसके विचारों ने उसे बहुत चिंतित कर दिया, और उसका रंग बदल गया, लेकिन उसने बात अपने दिल में रख ली। इधर वह कई दिनों से बीमार है।

वह इसे नहीं समझता। इसे समझाने वाला कोई नहीं है। मुझे लगता है कि डेनियल की इस अधिक तीव्र, अधिक गंभीर प्रतिक्रिया के लिए स्पष्टीकरण का एक हिस्सा यह है कि वह भारी पीड़ा देख रहा है।

मुझे यह भी लगता है कि दानिय्येल 7 के दर्शन के साथ, उस शानदार वादे को याद रखें जो उसने पेश किया था। मनुष्य के पुत्र जैसा एक व्यक्ति राज्य प्राप्त करता है, और संत उसके साथ शासन करेंगे और राज्य प्राप्त करेंगे, और यह एक शानदार वादा है। दानिय्येल के दर्शन के अंत में यह एक बड़ी सांत्वना है। दानिय्येल 8 में, सांत्वना यह है कि यह हमेशा के लिए नहीं रहने वाला है।

तुम्हारा दुख हमेशा के लिए नहीं रहेगा। यही सुकून है। मुझे गलत मत समझो, यही सुकून है।

लेकिन यह वैसा नहीं है; यह उस तरह का सुकून नहीं है जैसा इस शानदार भविष्य को देखना। यह सिर्फ दुखों का अंत देखना है। तो, यह निश्चित रूप से एक सुकून है।

लेकिन मैं समझ सकता हूँ कि डेनियल को इस पर काबू पाने में परेशानी क्यों हो रही है। इसे आत्मसात करना और इसमें आराम करना मुश्किल है। तो यही प्राथमिक सांत्वना है, कि पीड़ा हमेशा के लिए नहीं रहेगी।

मुझे लगता है कि इस दृष्टि में एक और राहत यह है कि मेजबान पीड़ित है, और वे उन लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो पीड़ित हैं; वे अपनी पीड़ा में अकेले नहीं हैं। मेजबान सेनापति को भी हानि उठानी पड़ती है। कहा जाता है कि होमबलि उससे छीन ली गई।

उसका पवित्र स्थान गिरा दिया गया है। तो, आपको मेजबान से बहुत कष्ट होता है, लेकिन आपको सेनापति से भी कष्ट होता है। और हम संभवतः इसे इस अवतार के नए नियम के विवरण के पूर्वाभास के रूप में देख सकते हैं, जहां भगवान स्वयं देह में आते हैं, और वह क्या करते हैं? वह अपने लोगों के साथ रहता है, और वह अपने लोगों के साथ कष्ट सहता है।

वह एक महान महायाजक बन जाता है जो अपने लोगों के लिए मध्यस्थता कर सकता है क्योंकि वह उनके अनुभव को किसी और से बेहतर जानता है। तो, मुझे लगता है कि यह एक द्वितीयक आराम है। लेकिन मेरी व्याख्या में, अध्याय 8 की प्राथमिक राहत यह है कि डटे रहो।

दुख खत्म नहीं होगा. यह हमेशा के लिए नहीं रहेगा. इसका अंत है.

भगवान इसे समाप्त कर देंगे। जब हम अगले व्याख्यान में वापस आएं, तो हम अध्याय 7 और अध्याय 8 को एक साथ देखेंगे और देखेंगे कि लोग विभिन्न साम्राज्यों की व्याख्या कैसे करते हैं। धन्यवाद।

यह डॉ. वेंडी विडर हैं जो डैनियल की पुस्तक पर अपनी शिक्षा दे रही हैं। यह सत्र 11, डैनियल 8, ईश्वर का बुराई पर लगाम है।